एक बार एक मुर्गा जंगल में जा रहा था । रास्ते में उसे एक कुत्ता मिला । वे दोनों अच्छे दोस्त बन गए । दोनों ने एक साथ यात्रा करने का फैसला किया । वे लगातार रात होने तक चलते रहे । रात में मुर्गा पेड़ के ऊपर और कुत्ता पेड़ के नीचे सो गया । मुर्गा सुबह उठकर बाँग देने लगा । एक लोमड़ी ने उसकी बाँग सुनी तो वह वहाँ आ गई और बोली - “ प्यारे मुर्गे ! तुम तो बहुत अच्छा गाते हो । नीचे आओ , मैं तुम्हें बधाई देना चाहती हूँ । ” मुर्गे ने कहा - ” मुझे माफ करो , मैं नहीं आ सकता । इस होटल का दरबान सो रहा है । जब तक वह नहीं उठेगा , मैं नीचे नहीं आ सकता । ” दुष्ट लोमड़ी ने कहा - “ मैं उसे अभी जगा देती हूँ । ” तभी कुत्ता जाग गया और लोमड़ी को वहाँ पर देखकर ज़ोर - ज़ोर से उस पर भौंकने लगा । यह देखकर लोमड़ी डरकर वहाँ से भाग गई । कुत्ते और मुर्गे ने फिर से अपनी यात्रा शुरू की और वहाँ से चल दिये ।